



LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBJS | HPJS



Previous Year Paper

RAJASTHAN JUDICIAL MAINS EXAM 2016

NOTE: Attempt all the questions. Questions No.1 to 8 carry 3 marks each, questions No.9 to 12 carry 5 marks each, questions No.13 to 17 carry 6 marks each, questions No.18 and 19 carry 8 marks each and question No.20 carries 10 marks.

नोट:- समस्त प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रश्न संख्या 1 से 8, प्रत्येक हेतु 3 अंक, प्रश्न संख्या 9 से 12, प्रत्येक हेतु 5 अंक, प्रश्न संख्या 13 से 17, प्रत्येक हेतु 6 अंक, प्रश्न संख्या 18 एवं 19, प्रत्येक हेतु 8 अंक एवं प्रश्न संख्या 20 हेतु 10 अंक निर्धारित हैं।

PART-A/ भाग- अ

Marks/अंक-24

Attempt all the 8 questions. Questions No.1 to 8 carry 3 marks each.

समस्त प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रश्न संख्या 1 से 8, प्रत्येक हेतु 3 अंक निर्धारित हैं।

Question No.1

(3 Marks)

How a sale in case of tangible immovable property of a value less than one hundred rupees can be made under Section 54 of the Transfer of Property Act, 1882?

सम्पत्ति अंतरण अधिनियम, 1882 की धारा 54 के अन्तर्गत एक सौ रूपये से कम मूल्य की मूर्त स्थावर सम्पत्ति का विक्रय कैसे किया जा सकता है?

linkinglaws.com

Question No.2

(3 Marks)

Under the Hindu Minority and Guardianship Act, 1956 in what circumstances a court can grant permission to the natural guardian to deal with the immovable property of a minor?



🌐 : www.linkinglaws.com
✉ : Support@linkinglaws.com
📍 : Jodhpur

📞 Linking Laws
📞 Linking LawsTM©Tansukh Sir
📞 7737746465

Tansukh Paliwal
(Linking Sir)

📺 SUBSCRIBE





LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBJS | HPJS

हिन्दू अप्राप्तवयता और संरक्षकता अधिनियम, 1956 के अन्तर्गत किन परिस्थितियों में न्यायालय नैसर्गिक संरक्षक को अप्राप्तवय की स्थावर सम्पत्ति से व्यवहार करने की अनुज्ञा दे सकता है?

Question No.3

(3 Marks)

What is meant by "guardian ad litem" and which Order of Civil Procedure Code deals with it?

'वादार्थ संरक्षक' से क्या अभिप्राय है एवं व्यवहार प्रक्रिया संहिता का कौन सा आदेश इससे संबंधित है?

Question No.4

(3 Marks)

Suits and applications specified in which Schedule of the Rajasthan Tenancy Act, 1955 can be heard and determined by a revenue court only? State description of any two such suits or applications.

राजस्थान काश्तकारी अधिनियम, 1955 की किस अनुसूची में उल्लेखित वाद एवं आवेदन केवल राजस्व न्यायालय द्वारा सुने और अवधारित किये जा सकते हैं? ऐसे किन्हीं दो दावों या आवेदनों के विवरण का उल्लेख करें।

Question No.5

(3 Marks)

What is the distinction between a certificate of recovery issued under the Rajasthan Rent Control Act, 2001, in case of premises let out for commercial use and premises other than those let out for commercial use?

वाणिज्यिक उपयोग के लिए किराये पर दिये परिसर के मामले में एवं वाणिज्यिक उपयोग के अलावा किराये पर दिये परिसर के मामले में राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम, 2001 के अन्तर्गत कब्जे की पुनः प्राप्ति के लिए जारी प्रमाणपत्रों में क्या भिन्नता है?

Question No.6

(3 Marks)

Under which provision of Code of Civil Procedure, restoration or setting aside of orders passed ex parte can be sought regarding an application filed under Order XXI of CPC which has been dismissed for non appearance or decided ex parte?

व्यवहार प्रक्रिया संहिता के किस प्रावधान के अन्तर्गत आदेश XXI व्य.प्र.सं. के अधीन दायर आवेदन के एक पक्षीय रूप से या अनुपस्थिति में खारिज आदेशों को पुनर्स्थापन अथवा अपास्त करने हेतु प्रार्थनापत्र दाखिल किया जा सकता है?

linkinglaws.com



🌐 : www.linkinglaws.com
✉ : Support@linkinglaws.com
📍 : Jodhpur

📞 Linking Laws
📧 Linking LawsTM©Tansukh Sir
☎ 7737746465

Tansukh Paliwal
(Linking Sir)

📄 SUBSCRIBE





LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBJ | HPJS

Question No.7

(3 Marks)

What is the exception to the requirement of notice before institution of suit against Municipality or its officers under Section 304 of the Rajasthan Municipalities Act, 2009?

राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 की धारा 304 के अन्तर्गत नगरपालिका या उसके अधिकारियों के विरुद्ध वाद संस्थित करने से पूर्व नोटिस दिये जाने की आवश्यकता का क्या अपवाद है?

Question No.8

(3 Marks)

How a witness can be contradicted by the previous statements made by him in writing?

किसी साक्षी का, उन पूर्वतन कथनों से, जो उसने लिखित रूप में किये हैं, उस लेख द्वारा कैसे खण्डन किया जा सकता है?

PART-B/भाग- ब

Marks/अंक-26

Attempt all the 5 questions. Questions No.9 to 12 carry 5 marks each and question no. 13 carries 6 marks.

समस्त 5 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रश्न संख्या 9 से 12. प्रत्येक हेतु 5 अंक एवं प्रश्न संख्या 13 हेतु 6 अंक निर्धारित हैं।

Question No.9

(5 Marks)

Under provisions of the Easements Act, 1882 in what circumstance a license is transferable?

सुखाचार अधिनियम, 1882 के प्रावधानों के अन्तर्गत किस परिस्थिति में अनुज्ञप्ति अन्तरणीय होगी?



🌐 : www.linkinglaws.com
✉ : Support@linkinglaws.com
📍 : Jodhpur

📞 Linking Laws
📧 Linking LawsTM©Tansukh Sir
☎ 7737746465

Tansukh Paliwal
(Linking Sir)

📄 SUBSCRIBE





LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBJS | HPJS

Question No.10

(5 Marks)

What is meant by 'Continuing guarantee' under the Contract Act, 1872?

संविदा अधिनियम, 1872 के अन्तर्गत 'चलत प्रत्याभूति' से क्या अभिप्राय है?

Question No.11

(5 Marks)

Under what conditions, the objection as to the place of suing can be allowed by any appellate or revisional Court?

किन स्थितियों में वाद लाने के स्थान के सम्बन्ध में कोई आक्षेप किसी अपीलया पुनरीक्षण न्यायालय द्वारा अनुज्ञात किया जा सकता है?

Question No.12

(5 Marks)

What are the provisions relating to stamp purchased, which has not been used or no allowance has been claimed in respect thereof, under Rajasthan Stamp Act, 1998?

राजस्थान स्टाम्प अधिनियम, 1998 के अन्तर्गत ऐसा क्रय किया गया कोई स्टाम्प जिसे उपयोग में नहीं लिया गया हो या जिसके संबंध में छूट का कोई दावा नहीं किया गया हो, के सम्बन्ध में क्या प्रावधान है?

Question No.13

(6 Marks)

Enumerate the prerequisites for filing an application for eviction of tenants under the Rajasthan Rent Control Act, 2001 on the ground that the tenant has neither paid nor tendered the amount of rent due from him'.

राजस्थान किराया नियंत्रण अधिनियम, 2001 के अन्तर्गत इस आधार पर कि 'किरायेदार ने उससे शोध्द किराये की रकम न तो संदत्त की है, न निविदत्त की है किरायेदार की बेदखली का आवेदन करने की पूर्वापेक्षित शर्तों का वर्णन करें।

linkinglaws.com

PART-C/ भाग- स

Marks/अंक-24

Attempt all the 4 questions. Questions No.14 to 17 carry 6 marks each.

समस्त प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रश्न संख्या 14 से 17, प्रत्येक हेतु 6 अंक निर्धारित हैं।



🌐 : www.linkinglaws.com
✉ : Support@linkinglaws.com
📍 : Jodhpur

📞 Linking Laws
📧 Linking LawsTM©Tansukh Sir
☎ 7737746465

Tansukh Paliwal
(Linking Sir)

📄 SUBSCRIBE





LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBSJ | HPJS

Question No.14

(6 Marks)

Who can make an application for compensation arising out of an accident under Section 166 of the Motor Vehicles Act, 1988?

मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा 166 के अन्तर्गत दुर्घटना से उद्भूत प्रतिकर के लिए आवेदन किसके द्वारा किया जा सकता है?

Question No.15

(6 Marks)

Explain the difference in position in relation to provisions of 'Enforcement' as provided under Section 36 of the Arbitration and Conciliation Act, 1996 prior to and after the amendment introduced by Arbitration and Conciliation (Amendment) Act, 2015.

माध्यस्थम् और सुलह अधिनियम, 1996 की धारा 36 में 'प्रवर्तन' के प्रावधानों के सम्बन्ध में माध्यस्थम् और सुलह (संशोधन) अधिनियम, 2015 द्वारा किये गये संशोधन से पूर्व एवं पश्चात् की स्थिति के अन्तर को समझाइये।

Question No.16

(6 Marks)

What are the provisions in the Constitution of India in relation to inconsistency between laws made by Parliament and laws made by the Legislatures of States?

भारत के संविधान में संसद द्वारा बनाई गई विधियों और राज्यों के विधान मंडलों द्वारा बनाई गई विधियों में असंगति के सम्बन्ध में क्या प्रावधान है?

Question No.17

(6 Marks)

Indicate various provisions relating to time of presentation of wills and presentation of Wills under Registration Act, 1908.

रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 के अन्तर्गत वसीयत को प्रस्तुत करने के समय एवं वसीयत के प्रस्तुतीकरण से सम्बन्धित प्रावधानों का उल्लेख करें।



🌐 : www.linkinglaws.com
✉ : Support@linkinglaws.com
📍 : Jodhpur

📞 Linking Laws
📧 Linking LawsTM©Tansukh Sir
☎ 7737746465

Tansukh Paliwal
(Linking Sir)

▶ SUBSCRIBE





LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBJS | HPJS

PART-D/ भाग- द

Marks/अंक-26

Attempt all the 3 questions. Questions No.18 and 19 carry 8 marks each and question no. 20 carries 10 marks.

समस्त 3 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रश्न संख्या 18 एवं 19, प्रत्येक हेतु 8 अंक एवं प्रश्न संख्या 20 हेतु 10 अंक निर्धारित हैं।

Question No.18

(8 Marks)

What is the effect of fraud or mistake on the period of limitation prescribed by the Limitation Act, 1963 for any suit or application?

किसी वाद या आवेदन के मामले में परिसीमा अधिनियम, 1963 द्वारा विहित परिसीमा काल पर कपट या भूल का क्या प्रभाव है?

Question No.19

(8 Marks)

Write a note on provisions relating to decision as to proper fee and valuation of the suit under Section 11 of the Rajasthan Court Fees and Suits Valuation Act, 1961.

राजस्थान न्यायालय फीस तथा वाद मूल्यांकन अधिनियम, 1961 की धारा 11 के अन्तर्गत समुचित फीस एवं वाद के मूल्यांकन के विषय में विनिश्चय से सम्बन्धित प्रावधानों पर टिप्पणी लिखिये।

Question No. 20

(10 Marks)

Frame the issues on the basis of the pleadings of the parties noticed below and write the judgement:

On 01.05.2011 plaintiff 'A' filed a suit for specific performance of an agreement dated 30.04.2002 against 'B' concerning sale of a plot situated at Civil Lines, Bikaner, which was already in possession of the plaintiff as tenant. It was claimed that the plaintiff has performed his part of the agreement and has paid entire consideration of Rs. 10,00,000/- by December, 2007; however, the sale deed was not executed and registered and despite repeated requests, the same was being avoided. The defendant gave notice dated 01.02.2011 alleging default in payment of



🌐 : www.linkinglaws.com
✉ : Support@linkinglaws.com
📍 : Jodhpur

📞 Linking Laws
📧 Linking LawsTM©Tansukh Sir
☎ 7737746465

Tansukh Paliwal
(Linking Sir)

📺 SUBSCRIBE





LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBJS | HPJS

rent. When plaintiff personally met with defendant on 15.03.2011, he refused to execute the sale deed. It was prayed that defendant be directed to execute sale deed and get the same registered.

A written statement was filed by the defendant inter alia submitting that the plaintiff has not performed his part of the contract, even as per the plaint averments the consideration was paid in December, 2007, therefore, the suit was barred by limitation and the agreement being unregistered is inadmissible in evidence. It was also claimed that as defendant's daughter was to get married and as he was in dire need of funds, the agreement was entered into for a paltry sum. It was prayed that the suit be dismissed.

प्रश्न संख्या 20 पक्षकारों के अधोवर्णित अभिवचनों के आधार पर विवाहकों की रचना करें एवं निर्णय लिखें:

दिनांक 01.05.2011 को वादी 'ए' ने 'बी' के विरुद्ध सिविल लाईन्स, बीकानेर में स्थित भूखण्ड, जो पूर्व से ही वादी के कब्जे में किरायेदार के तौर पर था, के विक्रय हेतु अनुबन्ध दिनांक 30.04.2002 के विनिर्दिष्ट अनुपालन हेतु वाद प्रस्तुत किया। यह कथन किया गया कि वादी ने स्वयं के जिम्मे अनुबन्ध के सभी निबन्धनों का पालन किया है एवं सम्पूर्ण प्रतिफल रूपये 10,00,000/- का भुगतान दिसम्बर, 2007 तक कर दिया था; किन्तु विक्रय पत्र का निष्पादन एवं पंजीकरण नहीं करवाया गया और बार-बार आग्रह करने पर, उसे टाला गया। प्रतिवादी द्वारा दिनांक 01.02.2011 को यह कहते हुए नोटिस दिया गया कि यादी ने किराये अदायगी में व्यतिक्रम किया है। दिनांक 15.03.2011 को जब वादी व्यक्तिगत रूप से प्रतिवादी से मिला, तो प्रतिवादी ने विक्रय पत्र के निष्पादन से इन्कार कर दिया। यह प्रार्थना की गयी कि प्रतिवादी को विक्रय पत्र निष्पादित करने एवं उसे पंजीकृत करवाने का निर्देश दिया जाये।

प्रतिवादी द्वारा जवाब दावा प्रस्तुत किया गया जिसमें कहा गया कि वादी ने स्वयं के जिम्मे अनुबन्ध के निबन्धों का पालन नहीं किया है, यहाँ तक कि वाद पत्र के अभिवचनों के अनुसार भी प्रतिफल का भुगतान दिसम्बर, 2007 में कर दिया गया था इसलिए वाद अवधि बाधित है, अनुबन्ध अपंजीकृत होने से साक्ष्य में अग्राह्य है। यह भी कथन किया गया कि चूंकि प्रतिवादी की पुत्री का विवाह होने वाला था एवं उसे धन की सख्त आवश्यकता थी इसलिए अनुबन्ध बहुत ही तुच्छ प्रतिफल पर किया गया था। बाद खारिज करने की प्रार्थना की गयी।

NOTE: Attempt all the questions. Questions No.1 to 8 carry 3 marks each, questions No.9 to 12 carry 5 marks each, questions No.13 to 17 carry 6 marks each, questions No.18 and 19 carry 8 marks each and question No.20 carries 10 marks.

नोट:- समस्त प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रश्न संख्या 1 से 8 तक प्रत्येक हेतु 3 अंक, प्रश्न संख्या 9 से 12. प्रत्येक हेतु 5 अंक, प्रश्न संख्या 13 से 17, प्रत्येक हेतु 6 अंक, प्रश्न संख्या 18 एवं 19, प्रत्येक हेतु 8 अंक एवं प्रश्न संख्या 20 हेतु 10 अंक निर्धारित हैं।



🌐 : www.linkinglaws.com
✉ : Support@linkinglaws.com
📍 : Jodhpur

📞 Linking Laws
📧 Linking LawsTM©Tansukh Sir
☎ 7737746465

Tansukh Paliwal
(Linking Sir)

📄 SUBSCRIBE





LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPSCS | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBJS | HPJS

PART-A/ भाग- अ

Marks/अंक- 24

Attempt all the 8 questions. Questions No.1 to 8 carry 3 marks each.

समस्त : प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रश्न संख्या 1 से 8. प्रत्येक हेतु 3 अंक निर्धारित हैं।

Question No.1

(3 Marks)

What do "heinous offences" mean under the Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act, 2015?

किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 के अधीन "जघन्य अपराध" से क्या तात्पर्य है?

Question No.2

(3 Marks)

Where a person aggrieved by any decision of Cyber Appellate Tribunal may file an appeal and what is the limitation for that is prescribed under the Information Technology Act, 2000?

सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के अधीन साइबर अपील अधिकरण के किसी विनिश्चय से व्यथित एक व्यक्ति कहाँ अपील कर सकता है और इस हेतु क्या परिसीमा दी गई है?

Question No.3

(3 Marks)

How the amount ordered to be paid under sub-section (1) of Section 5 of the Probation of Offenders Act, 1958 may be recovered?

अपराधी परिवीक्षा अधिनियम, 1959 की धारा 5 की उपधारा (1) के अन्तर्गत भुगतान करने के लिए आदेशित राशि किस प्रकार वसूल की जा सकेगी?

linkinglaws.com

Question No.4

(3 Marks)

What does monetary relief" mean under the Protection of Women from Domestic Violence Act, 2005?

घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 के अन्तर्गत "धनीय अनुतोष से क्या अभिप्राय है?



🌐 : www.linkinglaws.com
✉ : Support@linkinglaws.com
📍 : Jodhpur

📞 Linking Laws
📧 Linking LawsTM©Tansukh Sir
☎ 7737746465

Tansukh Paliwal
(Linking Sir)

📺 SUBSCRIBE





LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBJS | HPJS

Question No.5

(3 Marks)

According to General Rules (Criminal), 1980, to whom the Sessions Court, for the purpose of giving information, on its issuance, shall forward a copy of warrant for execution of death sentence?

सामान्य नियम (दाण्डिक), 1980, के अनुसार, सैशन्स न्यायालय, मृत्यु दण्डादेश के निष्पादन का वारन्ट जारी किये जाने पर, उसकी प्रति किसे सूचनार्थ अग्नेषित करेगा?

Question No.6

(3 Marks)

A, being an officer directed by law to take property in execution, in order to satisfy a decree pronounced in Z's favour by a Court of Justice, knowingly disobeys that direction of law, with the knowledge that he is likely thereby to cause injury to Z. What offence A has committed under Indian Penal Code, 1860?

क, जो एक ऑफिसर है. और न्यायालय द्वारा य के पक्ष में दी गई डिक्री की तुष्टि के लिए निष्पादन में संपत्ति लेने के लिए विधि द्वारा निदेशित है. यह ज्ञान रखते हुए कि यह सम्भाव्य है कि तद्वारा वह य को क्षति कारित करेगा, जानते हुए विधि के उस निदेश की अवज्ञा करता है। क द्वारा भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अधीन क्या अपराध कारित किया गया है?

Question No.7

(3 Marks)

Who can be specified by the State Government as an exclusive Special Public Prosecutor for exclusive Special Court under the Scheduled Castes and Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989?

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अन्तर्गत किसी अनन्य विशेष न्यायालय हेतु राज्य सरकार द्वारा किसे अनन्य विशेष लोक अभियोजक विनिर्दिष्ट किया जा सकता है?

linkinglaws.com

Question No.8

(3 Marks)

When a Magistrate may conduct proceedings in camera under the Protection of Women from Domestic Violence Act, 2005?



🌐 : www.linkinglaws.com
✉ : Support@linkinglaws.com
📍 : Jodhpur

📞 Linking Laws
📧 Linking LawsTM©Tansukh Sir
☎ 7737746465

Tansukh Paliwal
(Linking Sir)

📄 SUBSCRIBE





LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBSJ | HPJS

घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 के अन्तर्गत एक मजिस्ट्रेट कब कार्यवाहियाँ बन्द कमरे में संचालित कर सकता है?

PART-B/ भाग-ब

Marks/अंक-26

Attempt all the 5 questions. Questions No.9 to 12 carry 5 marks each and question no. 13 carries 6 marks.

समस्त 5 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रश्न संख्या 9 से 12, प्रत्येक हेतु 5 अंक एवं प्रश्न संख्या 13 हेतु 6 अंक निर्धारित हैं।

Question No.9

(5 Marks)

Discuss the provisions relating to rehabilitation and social reintegration of children under the Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act, 2015.

किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 के अन्तर्गत बालकों के पुनर्वास एवं समाज में पुनः मिलाने की प्रक्रिया से संबंधित प्रावधानों की चर्चा कीजिए।

Question No.10

(5 Marks)

Describe the rights of victims and witnesses under the Scheduled Castes and Scheduled Tribes (Prevention of Atrocities) Act, 1989?

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के अन्तर्गत पीड़ितों एवं साक्षियों के अधिकारों का वर्णन कीजिए?

Question No.11

(5 Marks)

Explain the offence of defamation described under Chapter XXI of the Indian Penal Code 1860.

भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अध्याय XXI में वर्णित मानहानि के अपराध को समझाइये।



🌐 : www.linkinglaws.com
✉ : Support@linkinglaws.com
📍 : Jodhpur

📞 Linking Laws
📧 Linking LawsTM©Tansukh Sir
☎ 7737746465

Tansukh Paliwal
(Linking Sir)

📺 SUBSCRIBE





LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBJS | HPJS

Question No.12

(5 Marks)

What powers are available to a police officer for the purpose of investigation of an offence punishable under the Electricity Act, 2003?

विद्युत अधिनियम, 2003 के अधीन दण्डनीय किसी अपराध के अन्वेषण के प्रयोजन हेतु एक पुलिस अधिकारी को क्या शक्तियाँ प्राप्त हैं?

Question No.13

(6 Marks)

Write note on following :- (each note carries three marks)

निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए :- (प्रत्येक टिप्पणी हेतु तीन अंक निर्धारित हैं)

- (1) Offences by companies under the Information Technology Act, 2000.
सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के अन्तर्गत कम्पनियों द्वारा अपराध ।
- (2) Duties of probation officers under the Probation of Offenders Act, 1958.
अपराधी परिवीक्षा अधिनियम, 1958 के अन्तर्गत परिवीक्षा अधिकारी के कर्तव्य ।

PART-C/ भाग- स

Marks/अंक-24

Attempt all the 4 questions. Questions No.14 to 17 carry 6 marks each.

समस्त 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रश्न संख्या 14 से 17. प्रत्येक हेतु 6 अंक निर्धारित हैं।

Question No.14

(6 Marks)

Answer both the following questions: (each question carries three marks)

निम्नलिखित दोनों प्रश्नों का उत्तर दीजिए: : (प्रत्येक प्रश्न हेतु तीन अंक निर्धारित हैं)

- (1) When an opinion as to electronic signature is relevant?
इलेक्ट्रॉनिक हस्ताक्षर के बारे में राय कब सुसंगत है?



🌐 : www.linkinglaws.com
✉ : Support@linkinglaws.com
📍 : Jodhpur

📞 Linking Laws
📧 Linking LawsTM©Tansukh Sir
☎ 7737746465

Tansukh Paliwal
(Linking Sir)

📺 SUBSCRIBE





LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBJS | HPJS

- (2) "X" agrees in writing, to sell a car to "Y" for Rs.2,00,000/- or Rs.2,50,000/-. Whether on basis of this writing, evidence can be given to show which price is to be given? Support your answer by referring relevant provision of the Indian Evidence Act, 1872.

"X" लेखन के जरिये एक कार "Y" को 2,00,000/- या 2,50,000/- रूपये में बेचने का करार करता है। क्या इस लेखन के आधार पर यह दर्शित करने के लिए साक्ष्य दी जा सकती है कि कौनसा मूल्य दिया जाना है? अपने उत्तर को भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 के सुसंगत प्रावधानों के जरिये समर्थित कीजिए।

Question No.15

(6 Marks)

Discuss the provisions relating to admissibility of electronic records in evidence as per provisions of Indian Evidence Act, 1872.

भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 के अन्तर्गत इलेक्ट्रॉनिक अभिलेखों की साक्ष्य में ग्राह्यता से संबंधित प्रावधानों की चर्चा कीजिए।

Question No.16

(6 Marks)

Discuss the provisions relating to application for plea bargaining and guidelines for mutually satisfactory disposition under the Code of Criminal Procedure, 1973.

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 के अन्तर्गत अभिवाक सौदेबाजी हेतु आवेदन एवं पारस्परिक रूप से समाधानप्रद निपटारे के लिए मार्ग निर्देशों से संबंधित प्रावधानों की चर्चा कीजिए।

Question No.17

(6 Marks)

Write short note on the following: (each note carries three marks)

निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: (प्रत्येक टिप्पणी हेतु तीन अंक निर्धारित हैं)

- (1) Conditional order for removal of nuisance under The Code of Criminal Procedure, 1973.

दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 के अन्तर्गत न्यूसेन्स हटाने के लिए सशर्त आदेश।

- (2) Sentence on offender already sentenced for another offence.

ऐसे अपराधी को दण्डादेश जो अन्य अपराध के लिए पहले से दण्डादिष्ट है।





LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBJS | HPJS

PART-D/ भाग-द

Marks/अंक-26

Attempt all the 3 questions. Questions No.18 and 19 carry 8 marks each and question no. 20 carries 10 marks.

समस्त 3 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। प्रश्न संख्या 18 एवं 19. प्रत्येक हेतु 8 अंक एवं प्रश्न संख्या 20 हेतु 10 अंक निर्धारित हैं।

Question No.18

(8 Marks)

Discuss the provisions relating to procedures for recording of statement of a child and medical examination of a child under the Protection of Children from Sexual Offences Act, 2012.

यौन अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 के अन्तर्गत बालक के कथन को अभिलिखित करने और बालक की चिकित्सकीय परीक्षण की प्रक्रिया से संबंधित प्रावधानों की चर्चा कीजिए।

Question No.19

(8 Marks)

Write a note regarding involuntary subjection of a person to narco-analysis test, polygraph test and brain mapping test with special reference to the latest judgments of Supreme Court of India.

किसी व्यक्ति की इच्छा के बिना उसका नार्को एनालिसिस टेस्ट, पॉलिग्राफ टेस्ट और ब्रेन मैपिंग टेस्ट किये जाने के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय के नवीनतम विनिर्णयों का विशेष सन्दर्भ देते हुए टिप्पणी लिखिए।

Question No.20

(10 Marks)

Sita Devi was married to Ramesh on 16.04.2006. Two children, Arpit and Pankaj, were born out of this wedlock in the years 2008 and 2012 respectively. Ramesh used to quarrel with Sita on trifle issues. Ramesh and his mother Kailashi Devi were not satisfied with the dowry given in the marriage. Ramkishan, father-in-law of Sita, however, protected her on several occasions and asked his own wife Kailashi Devi and son Ramesh not to harass and torture Sita for bringing inadequate



🌐 : www.linkinglaws.com
✉ : Support@linkinglaws.com
📍 : Jodhpur

📞 Linking Laws
📧 Linking LawsTM©Tansukh Sir
☎ 7737746465

Tansukh Paliwal
(Linking Sir)

📄 SUBSCRIBE





LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBJS | HPJS

dowry. Even then, Ramesh and Kailashi subjected Sita to cruelty and mal-treatment. Exasperated by circumstances, Sita committed suicide on 09.09.2015. Dashrath, father of deceased Sita, lodged a first information report against her husband, mother-in-law and father-in-law.

On basis of the FIR lodged by Dashrath, father of Sita, investigation was made and Smt. Kailashi, Shri Ramkishan and Shri Ramesh were charge-sheeted. The competent court took cognizance of the offence and the case was committed to the Court of Sessions. The Sessions Court framed the necessary charges against all the accused persons. The accused denied the charges and desired trial. During the course of trial, Krishan Kumar, Om Prakash and Smt. Radha (neighbours of the accused persons), Dashrath (father of the deceased), Vasundhara (mother of the deceased) and Kiran Kumari (sister of the deceased) were examined. All these witnesses stated about torture and harassment of deceased Sita by Ramesh and Smt. Kailashi for dowry. Nothing was said by these witnesses against Shri Ramkishan. The accused were afforded opportunity by the court to explain the circumstances appearing against them in prosecution evidence. Final order is passed by the court.

Write a judgment, briefly discussing as to for what offence the accused persons are charged and ultimately what order is passed, either of acquittal or of conviction, giving reasons therefor.

सीता देवी का विवाह दिनांक 16.04.2006 को रमेश के साथ हुआ। इस विवाह से दो बच्चे. अर्पित एवं पंकज, क्रमशः वर्ष 2008 व 2012 में पैदा हुये। रमेश छोटी-छोटी बातों को लेकर सीता के साथ झगड़ा करता था। रमेश तथा उसकी मां कैलाशी देवी विवाह में दिये गये दहेज से सन्तुष्ट नहीं थे परन्तु सीता के ससुर रामकिशन द्वारा कई अवसरों पर उसका बचाव किया गया एवं अपनी पत्नी कैलाशी देवी व पुत्र रमेश को पर्याप्त दहेज न लाने के कारण उसे तंग व परेशान नहीं करने के लिए कहा। रमेश एवं कैलाशी देवी फिर भी उसके साथ क्रूरता तथा दुर्व्यवहार करते रहे। परिस्थितियों से व्यथित होकर सीता ने दिनांक 09.09.2015 को आत्महत्या कर ली। सीता के पिता दशरथ द्वारा उसके पति, सास एवं ससुर के विरुद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट पुलिस में दर्ज कराई गई।

सीता के पिता दशरथ द्वारा दर्ज कराई गई प्रथम सूचना रिपोर्ट के आधार पर अनुसंधान किया गया और श्रीमति कैलाशी, रामकिशन तथा रमेश के विरुद्ध चालान प्रस्तुत किया गया। सक्षम न्यायालय द्वारा अपराध का प्रसंज्ञान लिया गया और केस सैशन्स न्यायालय में कमिट किया गया। सैशन्स न्यायालय द्वारा सभी अभियुक्तगण के विरुद्ध आवश्यक आरोप विरचित किये गये। अभियुक्तगण द्वारा आरोप अस्वीकार किये गये और विचारण चाहा गया। विचारण के दौरान कृष्ण कुमार, ओम प्रकाश एवं श्रीमति राधा (अभियुक्तगण के पड़ोसी), दशरथ (मृतका का पिता), वसुंधरा (मृतका की माता) और किरण कुमारी (मृतका की बहिन) को अभियोजन द्वारा परिक्षित किया गया। इन सभी साक्षियों ने रमेश और कैलाशी देवी द्वारा मृतका सीता देवी को दहेज हेतु यातना देने व परेशान करने का कथन किया। इन साक्षियों द्वारा रामकिशन के विरुद्ध कुछ नहीं कहा गया। न्यायालय द्वारा अभियुक्तगण को अभियोजन साक्ष्य में उनके विरुद्ध उपस्थित परिस्थितियों का स्पष्टीकरण देने का अवसर प्रदान किया गया। न्यायालय द्वारा अन्तिम आदेश पारित किया जाता है।



🌐 : www.linkinglaws.com
✉ : Support@linkinglaws.com
📍 : Jodhpur

📞 Linking Laws
📧 Linking LawsTM©Tansukh Sir
☎ 7737746465

Tansukh Paliwal
(Linking Sir)

📺 SUBSCRIBE





LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBJS | HPJS

कारणों सहित निर्णय यह दर्शाते हुये लिखिए कि अभियुक्तगण के विरुद्ध किस अपराध का आरोप विरचित किया गया तथा अन्ततः क्या आदेश, उनकी दोषसिद्धि अथवा दोषमुक्ति, के बाबत पारित किया गया ।

NOTE:- Attempt all the three questions. Question No.1 carries 20 marks and questions No.2 and 3 carry 15 marks each.

Question No. 1

(20 Marks)

Write an essay in English on any one of the topics given below in about 500 words:-

- (A) Protection of human rights - a judicial obligation.
- (B) The constitutional obligation of judiciary.

Question No. 2

(15 Marks)

Write an essay in English on any one of the topics given below in about 400 words:-

- (A) Value based legal profession is a need of time.
- (B) Judicial standards and conduct of the judicial community.

Question No. 3

(15 Marks)

Write an essay in English on any one of the topics given below in about 400 words:-

- (A) Religious tourism in the State of Rajasthan.
- (B) The concept of smart city - an effective formula for urban development.

नोट :- सभी तीनों प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या 1 हेतु 20 अंक एवं प्रश्न संख्या 2 और 3 प्रत्येक हेतु 15 अंक निर्धारित हैं।



🌐 : www.linkinglaws.com
✉ : Support@linkinglaws.com
📍 : Jodhpur

📞 Linking Laws
📧 Linking LawsTM©Tansukh Sir
☎ 7737746465

Tansukh Paliwal
(Linking Sir)

📺 SUBSCRIBE





LINKING LAWS

"Link The Life With Law"

RJS | DJS | MPCJ | CGCJ | UPPCSJ | BJS |
HJS | PJS | GJS | OJS | JJS | WBJS | HPJS

प्रश्न संख्या 1

(20 अंक)

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 600 शब्दों में हिन्दी में निबन्ध लिखिए:-

- (क) हमारा संविधान - राष्ट्र निर्माण का मार्गदर्शक
- (ख) विधि का शासन - हमारे संविधान का मूल तत्व

प्रश्न संख्या 2

(15 अंक)

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 400 शब्दों में हिन्दी में निबन्ध लिखिए:-

- (क) वर्तमान परिप्रेक्ष्य में मृत्युदण्ड की प्रासंगिकता
- (ख) पर्यावरण सन्तुलन - एक मानव अधिकार

प्रश्न संख्या 3

(15 अंक)

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 400 शब्दों में हिन्दी में निबन्ध लिखिए:-

- (क) राजस्थान में हस्तकला की समृद्ध परम्परा
- (ख) पर्यटन - राजस्थान का एक अग्रणी उद्योग

linkinglaws.com



🌐 : www.linkinglaws.com
✉ : Support@linkinglaws.com
📍 : Jodhpur

📞 Linking Laws
📧 Linking LawsTM©Tansukh Sir
☎ 7737746465

Tansukh Paliwal
(Linking Sir)

▶ SUBSCRIBE

